1

LOK SABHA

Monday, March 12, 1962/Phalguna 21, 1883 (Saka)

The Lok Sabha met at Thirty minutes past Twelve of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

12.30 hrs.

RE: MOTION FOR ADJOURNMENT

Mr. Speaker: I have received notice of an adjournment motion.

Some Hon. Members: Today?

Mr. Speaker: Shri Bal Raj Madhok. He is absent. The adjournment motion is rejected.

12.30½ hrs.

PRESIDENT'S ADDRESS

Secretary: Sir, I beg to lay on the Table a copy of the President's Address to both Houses of Parliament assembled together on the 12th March, 1962.

President's Address.

संसद् के सदस्यगण,

आपके सम्मुख इस संसद् में कुछ कहने का मेरे लिये यह अन्तिम अवसर है।

लोकसभा के सदस्यगण, इस सदन की आपकी सदस्यता की पंचवर्षीय अवधि अब समाप्त होने को है। शीघ्र ही आपके इस सत्र की समाप्ति के बाद नयी लोकसभा की बैठक होगी। आपमें से बहुतों को देश सेवा के लिये फिर से चुन लिया गया है। आप में से कुछ इस चुनाव तथा लोकसभा की समाप्ति

के बाद नयी लोकसभा के सदस्य नहीं रहेंगे। मैं इस अवसर पर आप सबको बधाई देता हू और लोक सभा के सदस्यों की हैसियत से आपके द्वारा की गई सेवाओं के लिये देश की जनता की ओर से आपके प्रति आभार प्रकट करता हूं। मुझे इसमें जरा भी शक नहीं कि यहां से जाने के बाद जहां भी आपका कार्यक्षेत्र हो, आप देश निर्माण के काम में लगे रहेंगे और अपनी योग्यता तथा अनुभव का सदा ही अपने देश की जनता के हितार्थ उपयोग करते रहेंगे।

संसद् के सदस्यगण, जब मैंने पिछली बार आपको सम्बोधित किया था, तब अपने अधिक व्यापक दृष्टिकोण तथा उच्चतर लक्ष्य के साथ हमारी तीसरी पंचवर्षीय योजना तैयार की जा रही थी। अब वह योजना चालू की जा चुकी है। पहली योजनाओं से प्राप्त अनुभव और उससे उत्पन्न हुए उत्साह और राष्ट्र निर्माण के काम में योजनागत प्रयास के सम्बन्ध में अधिक देशव्यापी बोध और अधिमूल्यन—ये सब बातें इस योजना की सफलता की द्योतक हैं और हमें अपने निर्धारित उद्देश्य के निकट ले जाने वाली हैं। हमारा उद्देश्य ऐसी समर्थ अर्थव्यवस्था की प्राप्ति है, जिसमें स्वावलम्बन, अभिवृद्धि और अधिक भावी विकास के साधनों को पैदा करने की क्षमता हो।

उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य-प्रदेश, मैसूर, मद्रास तथा केरल में बाढ़ों के द्वारा जो भारी नुकसान हुआ, उसके बावजूद १९६१–६२ में होने वाली खेती की पैदावार उत्साहवर्धक है। हमारी तीसरी पंचवर्षीय योजना में खेती की उन्नति को बहुत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।